खाली औद्योगिक भूमि पर लगेंगे कारखाने, आएगी बाईबैक नीति

नंदी ने उद्योगों के संचालन और निवेशक सुविधा बढ़ाने के दिए निर्देश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में वर्षों से खाली व निष्प्रयोज्य औद्योगिक भूमि को पुनः सक्रिय कर कारखानों के संचालन के लिए बाईबैक नीति लाई जाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी की अध्यक्षता में पिकप भवन में मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में ये निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि नीति का प्रारूप तैयार हो चुका है। शीघ्र ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

नंदीने कहा कि औद्योगिक परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नई इकाइयों की स्थापना में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में इन्वेस्ट यूपी की टीम ने प्रदेश के विनिर्माण क्षेत्र में हुई प्रगति का प्रस्तुतीकरण दिया। औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण, डाटा प्रणाली में सुधार, औद्योगिक इकाइयों के संचालन की गति बढ़ाने और राज्यव्यापी औद्योगिक सर्वेक्षण की प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सर्वे की अंतिम रिपोर्ट जल्द पेश की जाएगी। नंदी ने कहा कि उद्योगों को आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

बैठक में औद्योगिक पार्कों के विकास, भूमि उपलब्धता और परिवहन सुविधाओं के विस्तार पर भी चर्चा हुई। निवेशक सुविधा बढ़ाने से जुड़े सुधार पर भी चर्चा हुई। मंत्री ने निर्देश दिया कि अनुमोदन प्रक्रियाओं को समयबद्ध व पारदर्शी बनाएं। बैठक में राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी, अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार, इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद, एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग के सचिव प्रांजल यादव आदि शामिल हुए।

पर्यटन व हरित परियोजनाओं में बढ़ेगा विदेशी निवेश

लखनऊ। प्रदेश में विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए चल रही अंतरराष्ट्रीय कवायद के तहत इन्वेस्ट यूपी की सिंगापुर डेस्क ने सिंगापुर में कई निवेशकों के साथ कई बैठकें की। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यटन, आतिथ्य सेवाओं और हरित परियोजनाओं में निवेश संभावनाओं को मजबूत करना था। इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी ने सिंगापुर में ग्रीनफील्ड वेंचर्स के मुख्य संचालन अधिकारी अमृतांशु रॉय के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इसमें अयोध्या, वाराणसी, मथुरा सहित प्रदेश के प्रमुख पर्यटन नगरों में प्रस्तावित परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया गया। अधिकारियों ने राज्य की निवेशक अनुकूल नीतियों, प्रोत्साहनों और सुगम सुविधाओं को बताया। निवेशकों ने अयोध्या, वाराणसी, मथुरा में होटल में निवेश की रुचि दिखाई।

- अमृतांशु रॉय ने प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगरों के आसपास उच्च श्रेणी के होटल, प्रीमियम आवासीय परिसरों और हरित ऊर्जा आधारित परियोजनाओं में रुचि जताई। उन्होंने कचरे से ऊर्जा उत्पादन, सतत शहरी ढांचा विकास और दीर्घकालिक संयुक्त उपक्रमों जैसे मॉडल पर भी सकारात्मक संकेत दिए। बैठक में निवेशकों को आश्वस्त किया गया कि इन्वेस्ट यूपी डोर-स्टेप सहायता और क्षेत्रवार निवेश प्रोत्साहन नीति पर प्रतिबद्ध है। सिंगापुर डेस्क आने वाले समय में सिंगापुर के विभिन्न संस्थागत निवेशकों और औद्योगिक समूहों के साथ जुड़ाव को और मजबूत करेगी, ताकि पर्यटन, आतिथ्य, आवासीय विकास में निवेश आ सके। ब्यूरो